PAPER-III
SANSKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________
   (Name) ____________________
2. (Signature) ____________________
   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.____________________
(In words)

J 2 5 1 1

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.
   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

SANSKRIT
संस्कृत

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III
प्रश्नपत्रम् – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. **All questions should be attempted only in Sanskrit language.**

सूचना : सभी प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा में ही देना है । यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं **चार** खण्डों में विभक्त है । परीक्षार्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अन्दर यथास्थान दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

सूचना : अस्य प्रश्नपत्रस्य **द्विशतम (200)** अङ्का: सन्ति । प्रश्नपत्रमिदं **चतुर्षु (4)** खण्डेषु विभक्तमस्ति । **सर्वेषां प्रश्नानाउत्तराणि संस्कृतभाषायामेव देयानि ।** अभ्यर्थिभि: पृथक् निर्दिष्टं विशेष सूचनानुसारं खण्डान्तर्गतप्रश्ना: समाधेया: ।

SECTION – I

खंड – I

खण्ड: – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

सूचना : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

सूचना : अस्मिन् प्रथमे खण्डे निबन्धात्मकौ **द्वौ** प्रश्नौ स्त: । एकैकस्य प्रश्नस्य **विंशति** (20) अङ्का सन्ति । प्रत्येकम् उत्तरम् **पञ्चशत (500)** शब्दात्मकं भवेदिति अपेक्षा । **(2 प्रश्नौ × 20 अङ्का: = 40 अङ्का:)**

1. शिवसंकल्पसूक्तमाश्रित्य निबन्धो लेख्य: ।

अथवा

किन्नाम स्फोट: ? तस्य ध्वनिना सह कीदृश: सम्बन्ध: ? विमृशत ।

अथवा

शङ्कराचार्यस्य अध्यासनिरूपणम् अवलम्ब्य निबन्धो निबन्धनीय: ।

अथवा

"संकेतितश्चतुर्भेदो जात्यादिर्जातिखेवा" इयं कारिका मम्मटानुसारं व्याख्यायताम् ।

अथवा

भारते लेखनकलाया इतिवृत्तं निरूपयत ।

2. ब्राह्मणशब्दस्य अभिप्राय: तत्र प्रतिपादिता विषयाश्च साधुविवेचनीया: ।

अथवा

वर्णोच्चारण-प्रक्रियां विलिख्य ऊष्मणो नाम विसर्गस्य अष्टधा गति: सोदाहरणं लेखनीया ।

अथवा

हेत्वाभासलक्षणं तस्य भेदाश्च सोदाहरणं सलक्षणञ्च प्रतिपादनीया: ।

अथवा

गुणीभूतव्यङ्ग्यकाव्यस्य स्वरूपं सभेदोदाहरणं प्रतिपाद्यताम् ।

अथवा

गुप्तकालीन शिलालेखेषु वर्णितां संस्कृतिम् ऐतिह्यञ्च निरूपयत ।

SECTION – II

खंड – II

खण्ड: – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions contained therein. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

सूचना : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं । परीक्षार्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों के उत्तर देने है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

सूचना : अस्मिन् खण्डे प्रत्येकम् ऐच्छिकविभागतः **त्रयः त्रयः (3)** प्रश्नाः सन्ति । तेषु कमपि एकम् ऐच्छिकं विषयमाश्रित्य त्रयाणाम् प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि । प्रतिप्रश्नम् **पञ्चदश (15)** अङ्काः सन्ति । उत्तरं **त्रिशत (300)** शब्दात्मकम् भवेदित्यपेक्षा ।। **(3 × 15 = 45 अङ्काः)**

ऐच्छिकः – I

3. नासदीप सूक्तानुसारं सृष्ट्युत्पत्ति प्रक्रिया प्रतिपादनीया ।
4. कठोपनिषदि वर्णितो नाचिकेतो ऽग्निर्निरूप्यताम् ।
5. षड्भावविकारा निरूक्तानुसारं व्याख्येया ।

ऐच्छिकः – II

3. ण्यन्तादात्मनेपदविधानं सोदाहरणं सविवरणं विमृश्यताम् ।
4. शब्दब्रह्मण : स्वरूपं भर्तृहरिमतानुसारं विलिख्यताम् ।
5. वर्णानाम् प्रयोगः कथं करणीयः ? इति प्रश्नं पाणिनीय शिक्षानुसारं सोदाहरणं समादधत ।

ऐच्छिकः – III

3. योगदर्शने प्रतिप्रादितम् ईश्वरस्वरूपं वर्णनीयम् ।
4. 'अथातो ब्रह्मजिज्ञासा' सूत्रमिदं भाष्यानुसारं व्याख्यायताम् ।
5. अनुमितौ परामर्शस्प कारणत्वं मीमांसकाक्षेप-निरास-पूर्वकं संसाध्यताम् ।

ऐच्छिकः – IV

3. मम्मटदिशा लक्षणायाः षड्विधत्वं प्रतिपाद्यताम् ।
4. काव्यप्रकाशानुसारं रसवदलङ्कारा निरूपणीयाः ।
5. कुन्तकसम्मतं वक्रोक्ति सिद्धान्तं प्रतिपादयत ।

ऐच्छिकः – V

3. खारवेलस्य हाथीगुम्फा अभिलेखमधिकृत्य निबन्धो निबन्धनीयः ।
4. यशोधर्मणः विष्णुवर्धनस्य च मन्दसौर शिलालेखं विशदतया वर्णयत ।
5. गुप्तकालस्य अशोक कालस्य च ब्राह्मीलिपेः साम्यं वैषम्यञ्च स्पष्टयत ।

SECTION – III
खंड – III
खण्डः – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

सूचना : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

सूचना : अस्मिन् खण्डे **दशाङ्क (10)** परिमिताः **नव (9)** प्रश्नाः सन्ति । एकैकस्य प्रश्नस्य प्रायशः **पञ्चाशत् (50)** शब्दात्मकं उत्तरं देयम् । सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः । **(9 × 10 = 90 अङ्काः)**

6. पर्जन्य सूक्तम् आश्रित्य निबन्धो लेख्यः ।

7. ईशावास्योपनिषदि वर्णित विद्या-अविद्या स्वरूपं निरूप्यताम् ।

8. अधोलिखितानां निर्वचनं प्रदेयम् –

समुद्रः, आदित्यः ।

9. भारोपीय भाषा परिवारस्य नामसंकीर्तनपूर्वकं संक्षिप्तः परिचयो देयः ।

10. तर्कभाषाकारेण प्रतिपादितं कारणलक्षणं साधु विविच्यताम् ।

11. महाभारतस्य विकासात्मकं स्वरूपं समर्थयत ।

12. कतिविद्याः विद्याः ? कौटिलीय अर्थशास्त्रानुसारं प्रतिपादयत ।

13. उत्प्रेक्षालक्षणं सोदाहरणं विलिख्यताम् ।

14. अर्थ प्रकृतय: सोदाहरणं विलिख्यताम् ।

SECTION – IV
खंड – IV
खण्ड: – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words. **(5 × 5 = 25 marks)**

सूचना : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

सूचना : अस्मिन् खण्डे निम्नलिखितं गद्यखण्डम् आश्रित्य **पञ्च (5)** प्रश्ना: सन्ति । एकैकस्य प्रश्नस्य प्रायश: **त्रिंशत् (30)** शब्दात्मकम् उत्तरं देयम् । प्रत्येकम् प्रश्नस्य **पञ्च (5)** अङ्का: सन्ति । **(5 × 5 = 25 अङ्का:)**

परिव्राट् तेनैव क्रमेण पञ्च-पञ्च राजतानि पुण्डरीकाप्युपायनीचकार । एकदा तु श्वेतकर्पटावृतं किमप्यादाय प्राविशत् । प्रविश्य च पूर्ववत् स्थित्वा मुहूर्त्तमब्रवीत् – ‘महाभाग, भवन्तमाह भगवान् ’ यथा – “अस्मच्छिष्य: पातालस्वामिनामा ब्राह्मण: । तेन ब्रह्म राक्षसहस्तादपहृतो महासि: अट्टहासनामा । सोऽसं भवद्भुजयोग्यो गृह्यताम् इति” । इत्यभिधाय अपहृतकर्पटावच्छादनात् परिवारादाचकर्ष शरद्गगनमिव पिण्डतां नीतम्, कालिन्दीप्रवाहमिव स्तम्भितजलम्, कुलमित्रं कोपस्य, अपत्यं मृत्यो:, आगमनमार्गं लक्ष्म्या:, कृपाणम् ।।

अवनिपतिस्तु तं गृहीत्वा करेण सुचिरं ददर्श । संदिदेश च – “वक्तव्यो भगवान् - पर द्रव्यग्रहणावज्ञा-दुर्विदग्धमपि हि मे मनो युष्मद्विषये न शक्नोति वचनव्यतिक्रममाचरितुम् ” इति । परिव्राट् तु गृहीते तस्मिन्, परितुष्ट: “स्वस्ति भवते ! साधयाम: ” इत्युक्त्वा निरयासीत् ।

15. परिव्राट् केन क्रमेण कमलानि उपायनीचकार ? तानि कीदृशानि आसन् ?

16. श्वेतकर्पटावृत्तं किम् आसीत् ? तमादाय कः प्राविशत् ?

17. भगवतः शिष्यः किम् नाम आसीत् ? तेन महासिः कस्माद् अपहृतः ।

18. अस्मिन् गद्यांशे कृपाणः कीदृशो वर्णितः ?

19. अवनिपतेः मनः कीदृशमासीत् ? तच्च किमाचरितुम् न शक्नोति ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....